Title: Regarding Anti-Sikh activities of R.S.S. through Rashtriya Sikh Sangat in Punjab.

श्री जे.एस.बराड़ (फरीदकोट) : अध्यक्ष महोद्य, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण मुद्दा सरकार के ध्यान में लाना चाहूंगा।

वैसे तो भाजपा और आर.एस.एस. हमेशा दूसरों के जज्बात से खेलने का काम करते हैं लेकिन इन दिनों वह पंजाब में जिस आग से खेलने का यत्न कर रहे हैं, वह न तो देश के हित में और मेरी समझ में न ही इंसानियत के हित में है। मैं आपके माध्यम से यह बात कहना चाहूंगा कि पिछले दिनों में एक राट्रीय सिख संगत नाम की जत्थेबंदी आर.एस.एस. ने खड़ी की है और उसके माध्यम से जो धर्म किसी का निरादर नहीं करता, जो धर्म सरबत का भला मानता है और जिस धर्म ने हमेशा इंसानियत की बात की है, आर.एस.एस. राट्रीय सिख संगत द्वारा सिख धर्म और संस्कृति की बुनियाद और मूल रूप पर ऐसा प्रहार कर रही है जिससे देश की एकता को खतरा पैदा होने की संभावना है। हमला यह हो रहा है कि पहली बार एक पैम्फलैट बांटा गया कि ह्यूमन रिसोर्स मिनिस्ट्री की तरफ से 17 करोड़ रुपये की मदद आर.एस.एस. के उस जत्थे को दी गई, और जिन्होंने यह प्रचार किया, उन्होंने पंजाब में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है और वह विवाद दशम् ग्रंथ और गुरू ग्रंथ साहिब के बीच में खड़ा कर दिया है। â€¦(व्यवधान)

Speaker, Sir, I will just take a minute more.

MR. SPEAKER: In 'Zero Hour' you should mention your point in two minutes.

श्री जे.एस.बराड़ : मैं आपसे विनती करना चाहूंगा कि पंजाब के अमन की तबाही पहले भी ऐसी कम्यूनल जत्थेबंदियों ने की है और आर.एस.एस. द्वारा यह जो काम किया जा रहा है, इससे पंजाब का अमन और देश का अमन खतरे में है। इसलिए मैं आपसे दरख्वास्त करता हूं कि इस जत्थेबंदी के कार्यक्रमों पर पाबंदी लगाई जाए। â€¦(व्यवधान)

*(Interruptions) **

** Not Recorded*